फोन: कार्या. (0522) 4007012, 4330139
ई-मेल : upsanskritsansthanam@yahoo.com

उत्तर-प्रदेश-संस्कृत-संस्थानम्

(भाषा विभाग उ0प्र0 शासन के नियंत्रणाधीन)
कक्ष सं0: 811, आठवाँ तल, इन्दिरा भवन, लखनऊ - 226001
वेबसाइट : www.upsanskritsansthanam.in

पत्रांक 45/सं0सं0/पु0/2021
दिनांक 25-2-2021

To Dean, R&D for circulation
21/3/21

प्रेषक,

निदेशक
उ0प्र0 संस्कृत संस्थान
लखनऊ।

सेवा में,

कुलपति
राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
तिरुपति (आन्ध्रप्रदेश)

विषयः– संस्कृत संस्थान के पुरस्कारों के सम्बन्ध में।

महोदय,

उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान द्वारा वर्ष 2020 के विश्वभारती, महर्षि वाल्मीकि, महर्षि व्यास, महर्षि नारद, विशिष्ट, नामित, वेदपण्डित, विशेष तथा विविध पुरस्कारों के लिए विद्वानों से अथवा उनके व्यक्तिगत कृतित्व से सुपरिचित व्यक्तियो/प्रकाशकों से प्रविष्टियाँ (आवदेन पत्र) ऑनलाईन के माध्यम से दिनांक 25 मार्च 2021 तक संस्कृत संस्थान द्वारा निर्धारित प्रारूप पर आमन्त्रित हैं इसका विज्ञापन प्रमुख हिन्दी समाचार पत्रों एवं संस्कृत पत्र पत्रिकाओं में भी दिया गया है। विज्ञापन का प्रारूप आपके प्रयोगार्थ इस पत्र के साथ संलग्न है। संस्कृत विद्वानों को इसका अधिक से अधिक लाभ आपके माध्यम से मिल सके इस आशय से यह विज्ञापन आपके पास प्रेषित है।

अनुरोध है कि यदि आपके संज्ञान में संस्कृत भाषा के कोई योग्य एवं उपर्युक्त हो तो उन्हें इस सूचना से जरूर अवगत करायें ताकि इस विज्ञापन के प्रचारार्थ अन्य संस्कृत संस्थाओं में अपने स्तर से विज्ञापन की छायाप्रति कराकर प्रेषित कराने एवं अपने संस्थान/विभाग के सूचना पट पर भी लगवाने का कष्ट करें।

भवदीय

(पवन कुमार)
निदेशक

संलग्नक–
1. विज्ञापन प्रारूप।

उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थानम्

520, इन्दिरा भवन, अशोक मार्ग, लखनऊ- 226001 (उ0प्र0)
फोन : (0522) 4316167, ई-मेल : upsanskritsansthanam@yahoo.com
वेबसाइट : www.upsanskritsansthanam.in

उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान द्वारा वर्ष 2020 के अधोलिखित पुरस्कारो हेतु आवेदन संस्थान की वेबसाईट के माध्यम से **दिनांक 25 मार्च, 2021** तक आमंत्रित है। ऑनलाइन माध्यम से प्रपूरित आवेदन पत्र की हार्डकॉपी (सभी संलग्नकों सहित) संस्थान के पते पर भेजें। किसी भी कारणवश विलम्ब से प्राप्त आवेदन पत्र विचारणीय नहीं होंगे। क्रमांक 1,2,3,4,6 एवं 7 के पुरस्कारों का पात्रता क्षेत्र सम्पूर्ण भारत है। 'विश्वभारती', महर्षि वाल्मीकि, महर्षि व्यास तथा महर्षि नारद पुरस्कार हेतु समिति के अवलोकनार्थ विद्वान की कतिपय प्रतिनिधि कृतियाँ भी उपलब्ध कराना होगा।

1. विश्वभारती पुरस्कार–(एक) ₹ 5,01,000/-(₹ पाँच लाख एक हजार मात्र)

2. महर्षि वाल्मीकि पुरस्कार –(एक) ₹ 2,01,000/-(₹ दो लाख एक हजार मात्र)

3. महर्षि व्यास पुस्कार–(एक) ₹ 2,01,000/-(₹ दो लाख एक हजार मात्र)

उक्त पुरस्कारों के लिये संस्कृत साहित्य के राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त मूर्धन्य विद्वान ही अर्ह होंगे। निर्धारित प्रपत्र पर आवेदन–पत्र स्वयं विद्वान अथवा उनके व्यक्तित्व तथा कृतित्व से परिचित कोई व्यक्ति आवेदन कर हार्ड कॉपी भेज सकते हैं। पुरस्कार की पात्रता हेतु आवेदक की आयु न्यूनतम 60 वर्ष एवं क्षेत्र सम्पूर्ण भारतवर्ष होगा।

4. महर्षि नारद पुरस्कार–(एक) ₹ 1,01,000/-(₹ एक लाख एक हजार मात्र)

संस्कृत पत्रकारिता जगत के ऐसे वरिष्ठ पत्रकार, जिन्होंने कम से कम 25 वर्षों से संस्कृत पत्र–पत्रिकाओं में अपने लेखन/सम्पादन तथा प्रकाशन से संस्कृत पत्र/पत्रिकाओं को राष्ट्रीय स्तर का गौरव प्रदान कराया हो या संस्कृत पत्र/पत्रिकाओं के संस्थापक सम्पादक के साथ ही लेखन (ग्रन्थ) समीक्षा, सम्पादन, अध्यापन कार्य करने वाले विद्वान भी, अर्ह होंगे। पुरस्कार की पात्रता हेतु आवेदक की आयु न्यूनतम 60 वर्ष एवं क्षेत्र सम्पूर्ण भारतवर्ष होगा।

6. वेद पंडित पुरस्कार– (दस) ₹ 51,000/-(₹ इक्यावन हजार मात्र) प्रत्येक

इस पुरस्कार हेतु वेद पंडित को वेद की किसी भी शाखा की सम्पूर्ण संहिता सस्वर कण्ठस्थ होनी चाहिये। इस पुरस्कार के लिये वेद पण्डित को संस्थान द्वारा आयोजित वेद परीक्षा में भाग लेना होगा। 20 वर्ष पूर्व संस्कृत संस्थान का वेद पण्डित पुरस्कार प्राप्त विद्वानों से वेद विशिष्ट पुरस्कार हेतु आवेदन आमंत्रित हैं। दो रिक्त वेद पंडित पुरस्कार के स्थान पर एक वेद विशिष्ट पुरस्कार ₹ 1,01,000/– का देने हेतु पुरस्कार समिति संस्तुत कर सकती है। निर्धारित वेद पंडित पुरस्कार के लिये एक अभ्यर्थी अनुपलब्ध होने पर वेद–वेदांग से सम्बन्धित उत्कृष्ट कृतियों पर ₹ 51000/– का पुरस्कार दिया जा सकता है। वेद पण्डित पुरस्कार का क्षेत्र सम्पूर्ण भारत होगा। उत्तर प्रदेश में जन्म लेने वाले अथवा विगत 10 वर्षों से निवास करने वाले वेद पण्डितों को 10 अंक का अधिमान दिया जायेगा।

7. नामित पुरस्कार – (पाँच) ₹ 51,000/- (₹ इक्यावन हजार मात्र) प्रत्येक

विगत दो कैलेण्डर वर्षों में प्रकाशित (वर्ष 2018 एवं 2019 में प्रकाशित) काव्य ग्रन्थ, गद्य, पद्य, विषय की मौलिक तथा उत्कृष्ट संस्कृत रचनाओं को और/या दर्शन पुराण, इतिहास, धर्मशास्त्र, वेद, वेदांग तथा व्याकरण की उत्कृष्ट रचनाओं को अधोलिखित नामित पुरस्कारों हेतु निर्धारित प्रपत्र पर ग्रन्थ की पाँच प्रतियों के साथ आमंत्रित की जाती हैं :–

(क) कालिदास पुरस्कार (ख) बाणभट्ट पुरस्कार (ग) शंकर पुरस्कार
(घ) व्यास पुरस्कार (ड) पाणिनि/सायण पुरस्कार

उपर्युक्त पाँचों पुरस्कार हेतु आवेदन निर्धारित प्रपत्र पर ग्रन्थ की 5 प्रतियों के साथ आमंत्रित की जाती हैं। लेखकों/प्रकाशकों के विगत दो कैलेण्डर वर्ष में प्रकाशित (वर्ष 2018 एवं 2019 में प्रकाशित) काव्य ग्रन्थ, गद्य, पद्य, विषय की मौलिक तथा उत्कृष्ट संस्कृत रचनाओं की और/या दर्शन पुराण, इतिहास, धर्मशास्त्र, वेद वेदांग तथा व्याकरण की उत्कृष्ट रचनाओं को सम्मानित किये जाने पर विचार किया जायेगा तथा एक पुरस्कार एक व्यक्ति को ही देय होगा।

नोटः 1. विस्तृत सूचना एवं आवेदन पत्र प्रपूरित करने के लिए उ0प्र0 संस्कृत संस्थान, लखनऊ के वेबसाइट www.upsanskritsansthanam.in पर जायें।

2. प्रत्येक पुरस्कार हेतु अलग–अलग आवेदन करना अनिवार्य है। अलग–अलग पुरस्कारों हेतु एक ही आवेदन मान्य नहीं होगा।

निदेशक

Size 19x8=152 Sq. Cms For Excluding UP Editions
Date - 22.02.2021

520, ब्रन्दिरा भवन, अशोक मार्ग, लखनऊ- 226001 (उ0प्र0)
फोन : (0522) 4918157, ई-मेल : upsanskritsansthanam@yahoo.com
वेबसाइट : www.upsanskritsansthanam.in

उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान द्वारा वर्ष 2020 के अधोलिखित पुरस्कारों हेतु आवेदन संस्थान की वेबसाईट के माध्यम से **दिनांक 25 मार्च, 2021** तक आमंत्रित है। ऑनलाइन माध्यम से प्रपूरित आवेदन पत्र की हार्डकॉपी (सभी संलग्नकों सहित) संस्थान के पते पर भेजें। किसी भी कारणवश विलम्ब से प्राप्त आवेदन पत्र विचारणीय नहीं होंगे। क्रमांक 1,2,3,4,6 एवं 7 के पुरस्कारों का पात्रता क्षेत्र सम्पूर्ण भारत है। शेष सभी पुरस्कारों के लिये आवश्यक है कि विद्वान का जन्म उत्तर प्रदेश में हुआ हो अथवा कम से कम 10 वर्षों से उत्तर प्रदेश मे निवास कर रहा हो। प्रदेश मे निवास संक्षम स्तर से प्रमाणित हो। विश्वभारती' महर्षि वाल्मीकि, महर्षि व्यास, महर्षि नारद तथा 'विशिष्ट–पुरस्कार' हेतु समिति के अवलोकनार्थ विद्वान की कतिपय प्रतिनिधि कृतियाँ भी उपलब्ध करानी होंगी।

1 विश्वभारती पुरस्कार–(एक) ₹ 5,01,000/-(₹ पाँच लाख एक हजार मात्र)

2. महर्षि वाल्मीकि पुरस्कार –(एक) ₹ 2,01,000/-(₹ दो लाख एक हजार मात्र)

3. महर्षि व्यास पुरस्कार–(एक) ₹ 2,01,000/-(₹ दो लाख एक हजार मात्र)

उक्त पुरस्कारों के लिये संस्कृत साहित्य के राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त मूर्धन्य विद्वान ही अर्ह होंगे। निर्धारित प्रपत्र पर आवेदन–पत्र स्वयं विद्वान अथवा उनके व्यक्तित्व तथा कृतित्व से परिचित कोई व्यक्ति आवेदन कर हार्ड कॉपी भेज सकते है। पुरस्कार की पात्रता हेतु आवेदक की आयु न्यूनतम 60 वर्ष एवं क्षेत्र सम्पूर्ण भारतवर्ष होगा।

4. महर्षि नारद पुरस्कार–(एक) ₹ 1,01,000/-(₹ एक लाख एक हजार मात्र)

संस्कृत पत्रकारिता जगत के ऐसे वरिष्ठ पत्रकार जिन्होंने कम से कम 25 वर्षो से संस्कृत पत्र–पत्रिकाओं में अपने लेखन/सम्पादन तथा प्रकाशन से संस्कृत पत्र/पत्रिकाओं को राष्ट्रीय स्तर का गौरव प्रदान कराया हो या संस्कृत पत्र/पत्रिकाओं के संस्थापक सम्पादक के साथ ही लेखन (ग्रन्थ) समीक्षा, सम्पादन, अध्यापन कार्य करने वाले विद्वान भी, अर्ह होंगे। पुरस्कार की पात्रता हेतु आवेदक की आयु न्यूनतम 60 वर्ष एवं क्षेत्र सम्पूर्ण भारतवर्ष होगा।

5. विशिष्ट पुरस्कार–(पाँच) ₹ 1,01,000/-(₹ एक लाख एक हजार मात्र) प्रत्येक

इन पुरस्कारों हेतु संबंधित विद्वान की संस्कृत जगत में संस्कृत भाषा के प्रचार–प्रसार एवं विकास कार्य हेतु निरन्तर विशिष्ट सेवा की न्यूनतम अवधि 20 वर्ष हो अथवा उन्होंने संस्कृत सम्मेलन/संस्कृत सम्भाषण आदि द्वारा संस्कृत के सामाजिक प्रयोग मे उल्लेखनीय योगदान किया हो। ऐसे विद्वान स्वयं अथवा उनके कृतित्व एवं व्यक्तित्व से सुपरिचित विद्वान निर्धारित प्रपत्र पर आवेदन कर सकते हैं। पुरस्कार का पात्रता क्षेत्र उत्तर प्रदेश होगा।

6. वेद पंडित पुरस्कार– (दस) ₹ 51,000/-(₹ इक्यावन हजार मात्र) प्रत्येक

इस पुरस्कार हेतु वेद पंडित को वेद की किसी भी शाखा की सम्पूर्ण संहिता कण्ठस्थ होनी चाहिये। इस पुरस्कार के लिये वेद पंडित को संस्थान द्वारा आयोजित वेद परीक्षा में भाग लेना होगा। 20 वर्ष पूर्व संस्कृत संस्थान का वेद पण्डित पुरस्कार प्राप्त विद्वानो से वेद विशिष्ट पुरस्कार ₹ 1,01,000/– का देने हेतु पुरस्कार समिति संस्तुत कर सकती है। निर्धारित वेद पंडित पुरस्कार के लिये एक अभ्यर्थी अनुपलब्ध होने पर वेद–वेदांग से सम्बन्धित उत्कृष्ट कृतियों पर ₹ 51000/– का पुरस्कार दिया जा सकता है। वेद पण्डित पुरस्कार का क्षेत्र सम्पूर्ण भारत होगा। उत्तर प्रदेश मे जन्म लेने वाले अथवा विगत 10 वर्षो मे निवास करने वाले वेद पण्डितों को 10 अंक का अधिमान दिया जायेगा।

7. नामित पुरस्कार – (पाँच) ₹ 51,000/- (₹ इक्यावन हजार मात्र) प्रत्येक

विगत दो कैलेण्डर वर्षों में प्रकाशित (वर्ष 2018 एवं 2019) काव्य ग्रन्थ, गद्य, पद्य विषय की मौलिक तथा उत्कृष्ट संस्कृत रचनाओं को और/या दर्शन पुराण, इतिहास, धर्मशास्त्र, वेद, वेदांग तथा व्याकरण की उत्कृष्ट रचनाओं को अधोलिखित नामित पुरस्कारों हेतु निर्धारित प्रपत्र पर ग्रन्थ की पाँच प्रतियों के साथ आमन्त्रित की जाती हैं –

(क) कालिदास पुरस्कार (ख) बाणभट्ट पुरस्कार (ग) शंकर पुरस्कार
(घ) व्यास पुरस्कार (ङ) पाणिनि/सायण पुरस्कार

उपर्युक्त पाँचों पुरस्कार हेतु आवेदन निर्धारित प्रपत्र पर ग्रन्थ की 5 प्रतियों के साथ आमन्त्रित की जाती है। लेखकों/प्रकाशकों के विगत दो कैलेण्डर वर्ष में प्रकाशित (वर्ष 2018 एवं 2019 में प्रकाशित) काव्य ग्रन्थ, गद्य, पद्य, विषय की मौलिक तथा उत्कृष्ट संस्कृत रचनाओं की और/या दर्शन पुराण, इतिहास धर्मशास्त्र, वेद वेदांग तथा व्याकरण की उत्कृष्ट रचनाओं को सम्मानित किये जाने पर विचार किया जायेगा तथा एक पुरस्कार एक व्यक्ति को ही देय होगा।

पुस्तक का प्रथम संस्करण ही पुरस्कार के लिए विचारणीय होगा। पूर्व प्रकाशित रचनाओं के संशोधित संस्करण पुस्तक के रूप में प्रकाशित होने की दशा मे पुरस्कार के लिए विचारणीय हो सकता है जब उसकी 60 प्रतिशत सामग्री पूर्व में प्रकाशित न हुई हो। ऐसी कृति जिसे पहले उ0 प्र0 संस्कृत संस्थान पुरस्कृत कर चुका है पुरस्कार योग्य नहीं मानी जायेगी।

8. विशेष पुरस्कार– (छः) ₹ 21000/- (₹ इक्कीस हजार मात्र) प्रत्येक

प्रत्येक वर्ष के पुरस्कार हेतु उस पुरस्कार वर्ष के ठीक पहले वर्ष में प्रकाशित (वर्ष 2019 में) विशिष्ट रचनात्मक एवं समीक्षात्मक कृतियां ही इस पुरस्कार के लिये विचारणीय होंगी। इस वर्ग का एक पुरस्कार पालि/प्राकृत में रचित ग्रन्थों के लिये आरक्षित है। यदि पालि/प्राकृत में रचित उपयुक्त ग्रन्थ उपलब्ध नहीं होंगे तो इस पुरस्कार को संस्कृत भाषा के लिये विचार किया जायेगा।

9. विविध पुरस्कार–(बीस) ₹ 11,000/- (₹ ग्यारह हजार मात्र) प्रत्येक

(क) साहित्य पुरस्कार (दस) (ख) शास्त्र पुरस्कार (छः)
(ग) बाल–साहित्य पुरस्कार (दो) (घ) श्रमण पुरस्कार (दो)

इस पुरस्कार हेतु पुरस्कार वर्ष के ठीक पहले वर्ष में प्रकाशित (वर्ष 2019 में) संस्कृत की रचनात्मक मौलिक कृतियां तथा संस्कृत विषयक हिन्दी में रचित समीक्षात्मक कृतियां अथवा संस्कृत भाषा से अन्य भाषाओं में अनूदित रचनायें अथवा अन्य भाषाओं से संस्कृत भाषा में अनूदित रचनायें पुरस्कार के लिए अर्ह होंगी। संस्कृत प्रश्नोत्तरी (गाइड) शोध प्रबन्ध सदृश पुस्तकों पर विचार नहीं किया जायेगा। पुरस्कार हेतु प्रेषित ग्रन्थ यदि संशोधित संस्करण है तो उसका 60 प्रतिशत भाग पूर्व में प्रकाशित न हुआ हो और संबंधित ग्रन्थ पूर्व में संस्कृत संस्थान द्वारा किसी भी पुरस्कार से पुरस्कृत न हो।

नोट. 1. विस्तृत सूचना एवं आवेदन पत्र प्रपूरित करने के लिए उ0प्र0 संस्कृत संस्थान, लखनऊ के वेबसाइट www.upsanskritsansthanam.in पर जायें।

2. प्रत्येक पुरस्कार हेतु अलग–अलग आवेदन करना अनिवार्य है। अलग–अलग पुरस्कारों हेतु एक ही आवेदन मान्य नहीं होगा।

निदेशक

Size 28x8=224 Sq. Cms - For U.P. Editions
Date - 22.02.2021